the pioneer

LUCKNOW WEDNESDAY I FEBRUARY 15, 2012

Meet of sugar group managers, IISR scientists held

PIONEER NEWS SERVICE ■
LUCKNOW

Low sugarcane productivity and decreasing sugar recovery in western UP are major concerns, which need to be addressed immediately for the betterment of sugar industry and sugarcane farmers.

To discuss the issue, an interactive meeting between senior managers of Mawana sugar groups and IISR scientists was held on Tuesday under the chairmanship of S Solomon, director, IISR.

The officials of the group had detailed discussion with the IISR scientists.

Sharp decline in sugar recovery upto the tune of 1.0 unit lack of high sugar early maturing variety, decreasing soil fertility and health, incidence of insect-pests, scarcity of labour, and supply of poor cane quality are major concerns for sugar mills and due to these problems, sugar production was suffering from revenue loss.

Solomon suggested complete package of cane cultivation practices including techniques of soil health improvement, improved sugarcane varieties, varietal planning, three-tier seed production programme, ratoon management, bio-intensive management of top borer and red rot, technique to imvove sugar recovery, training of sugar mill cane development staff for improving productivity and sugar recovery on sustained basis.

the pioneer

LUCKNOW WEDNESDAY I FEBRUARY 15, 2012

CITYBRIEFS

REVIEW

A team of scientists from the Indian Institute of sugarcane Research, Lucknow, under Director S Solomon reviewed the functioning of the Sugarcane Information System (developed by the UP Cane Department) at Sugarmill level and its impact on cane growers on Monday. Discussing with about 100 cane-growers, sugarmill officials, cane marketing society office-bearers in the cane area served by a sugar mill from Biswan, Sitapur district, S Solomon tried to assess the benefits of SIS as perceived by the farmers.

स्वतंत्र भारत
लखनऊ, बुधवार 15 फरवरी, 2012 (5)

गन्ना उपज एवं चीनी परता में आई कमी पर हुआ मंथन

लखनऊ (सं)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गन्ना उपज तथा चीनी परता में लगातार आ रही कमी प्रदेश के चीनी उद्योग तथा नुकसानें उठाना पड़ रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए आज डा. सुशील सोलोमन, निदेशक, भारतीय अनुसंधान संस्थान, की अध्यक्षता में संस्थान के वैज्ञानिकों तथा मवाना चीनी समूह के उच्च स्तरीय अधिकारियों के साथ एक बैठक आज संस्थान में हुई। मवाना चीनी समूह के प्रबंध निदेशक सुनील काकरिया समूह के. अन्य अधिकारियों के साथ इस बैठक में शामिल हुए। श्री काकरिया ने चीनी परता में 1.0 इकाई तक की कमी, अधिक चीनी वाला गन्ना की उपलब्धता, आदि को मवाना चीनी मिल क्षेत्र में मुख्य समस्या बताया। जिस कारण चीनी मिल को सालाना करोड़ों का नुकसान उठाना पड़ रहा है। इन समस्याओं के समाधान पर विचार रखते हुए डा. सोलोमन, निदेशक ने संस्थान द्वारा विकसित गन्ना उत्पादन के लिए संपूर्ण तकनीकी समूह को अपनाने की आवश्यकता को अपरिहार्य बताया।

उन्होंने कहा कि मृदा स्वास्थ्य सुधार तकनीक, गन्ना की सुधरी किस्में, प्रजाति योजना का प्रग्रहण, स्वस्थ गन्ना बीज उत्पादन के लिए त्रिस्तरीय बीज उत्पादन कार्यक्रम, पेड़ी प्रबंधन, जैविक विधि द्वारा नाशी- कीटों एवं बीमारी प्रबंधन, चीनी परता बढ़ाने की तकनीक, चीनी मिलों के गन्ना विकास कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण जैसे विभिन्न कार्यक्रमों को मील क्षेत्र में बिना विलंब क्रियान्वयन, समस्त्रा के समाधान में मद्दगार साबित होगा।